फुटपाथ की आवाज़ (FKA)

स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट के 11 वर्ष

FKA

फिर से रीलॉन्च किया जा रहा है!

https://nasvinet.org/

विक्रेता अधिकारों और वकालत को सुदृढ़ बनाना

राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों के माध्यम से
विक्रेताओं की वकालत

NASVI का प्रमुख राष्ट्रीय
स्ट्रीट फ़ूड फ़ेस्टिवल

कौशल विकास और उद्यमिता सहायता

विक्रेताओं का वित्तीय सशक्तिकरण

फुटपाथ की आवाज़

FOOTPATH Ki AWAAZ

फुटपाथ की आवाज़

https://nasvinet.org/

इस अंक में

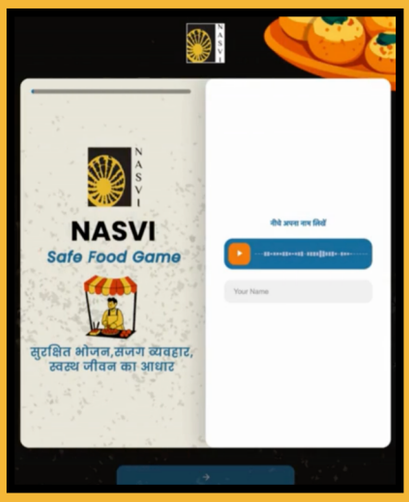

'फुटपाथ की आवाज़' के बारे में

पृष्ठ संख्या: 04

देशभर से खबरें

पृष्ठ संख्या: 08-11

स्ट्रीट फ़ूड विक्रेताओं का प्रशिक्षण, पटना

पृष्ठ संख्या: 13

‘Safe food game’ का शुभारंभ

पृष्ठ संख्या: 05-07

स्ट्रीट फ़ूड विक्रेताओं का प्रशिक्षण, मिज़ोरम

पृष्ठ संख्या: 12

हमसे संपर्क करें

पृष्ठ संख्या: 14

फुटपाथ की आवाज़ के बारे में

प्रिय मित्रों,

NASVI की शुरुआत के बाद, हमने 'फुटपाथ की आवाज़' नाम से एक मासिक न्यूज़लेटर पत्रिका शुरू की, जिसने जानकारी फैलाने और पूरे भारत से स्ट्रीट वेंडर संगठनों को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाई। असल में, इस न्यूज़लेटर ने स्ट्रीट वेंडरों के आंदोलन को खड़ा करने में भी मदद की, जिसके चलते 2004 में 'शहरी स्ट्रीट वेंडरों पर राष्ट्रीय नीति' पारित हुई और आखिरकार 2014 में 'स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट' बना।

कानून और PMSVANidhi को लागू करने के अनुभवों ने एक बार फिर से एक-दूसरे के साथ जानकारी साझा करने और सीखने की ज़रूरत को सामने ला दिया है। हालाँकि, डिजिटल क्रांति को देखते हुए, हमने अब इसे डिजिटल रूप में रखने और हर महीने यह न्यूज़लेटर निकालने का फ़ैसला किया है। उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगा।

कृपया बेझिझक अपनी राय (फ़ीडबैक) हमारे साथ साझा करें।

एकजुटता के साथ,
अरबिंद सिंह
राष्ट्रीय समन्वयक, NASVI

खेल-खेल में खाद्य सुरक्षा सीखना

नई दिल्ली में, नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ़ इंडिया (NASVI) ने 7 अप्रैल 2026 को राजा राम मोहन रॉय मेमोरियल हॉल में "सेफ़ फ़ूड गेम" नाम से एक अनोखी सीखने की पहल शुरू की। एक इंटरैक्टिव, क्विज़-आधारित टूल के तौर पर डिज़ाइन की गई इस पहल का मकसद स्ट्रीट फ़ूड बेचने वालों के लिए खाने की सुरक्षा से जुड़ी शिक्षा को आसान बनाना है, ताकि यह दिलचस्प, व्यावहारिक और समझने में आसान हो। यह गेम साफ़-सफ़ाई, खाने को सुरक्षित तरीके से संभालने और बेचने की जगहों की स्वच्छता जैसे अहम पहलुओं पर ज़ोर देता है, और इस तरह विक्रेताओं के लिए आसानी से उपलब्ध ट्रेनिंग में एक बड़ी कमी को पूरा करता है।

PHOTOGRAPHY BY HASHIM MANZOOR

इस लॉन्च में स्ट्रीट फ़ूड विक्रेताओं ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया; उन्होंने इस गेमिफ़ाइड फ़ॉर्मेट में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और पाया कि सवाल-जवाब का यह इंटरैक्टिव तरीका खाने की सुरक्षा से जुड़े ज़रूरी नियमों को समझने और याद रखने में काफ़ी असरदार है। कार्यक्रम में विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया, जिनमें **अनिल चोपड़ा, Director, Nexus 3P Foundation; अनन्या पांडे, SBCD Manager, FSSAI; पवन कुमार, उप सचिव, PM SVANidhi at MoHUA; तथा ताकायुकी हागिवारा, FAO Representative in India शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन संगीता सिंह, स्ट्रीट फूड कार्यक्रम- प्रमुख, NASVI** द्वारा किया गया, जिसमें यह बताया गया कि सड़क विक्रेताओं के लिए नए और आसान तरीके से प्रशिक्षण देना बहुत जरूरी है।

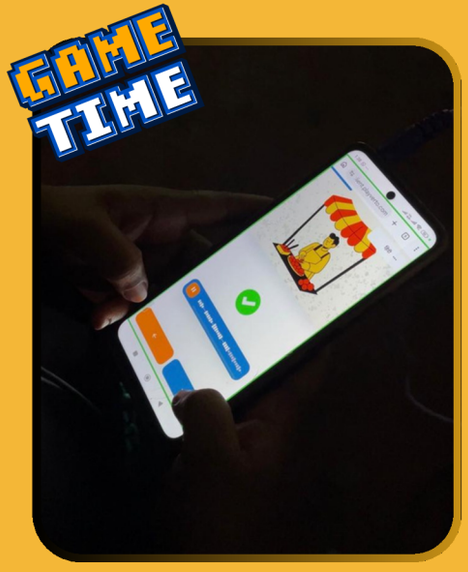

इसके व्यापक महत्व पर ज़ोर देते हुए, **NASVI के राष्ट्रीय समन्वयक अरबिंद सिंह** ने कहा कि खाद्य सुरक्षा उपायों को मज़बूत बनाना सार्वजनिक स्वास्थ्य और लाखों रेहड़ी-पटरी वालों की आजीविका को बनाए रखने, दोनों के लिए ज़रूरी है।

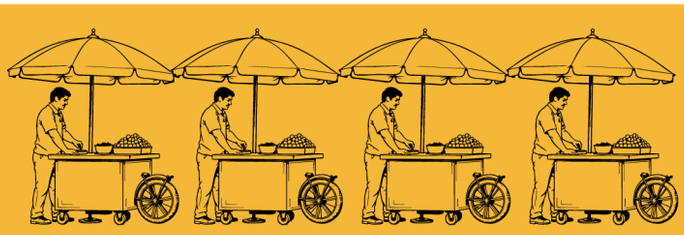

कई विक्रेताओं ने **गेमिफ़ाइड फ़ॉर्मेट** की सराहना करते हुए कहा कि सवालों और इंटरैक्टिव भागीदारी के ज़रिए सीखने से खाद्य सुरक्षा से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को समझना और याद रखना आसान हो गया।

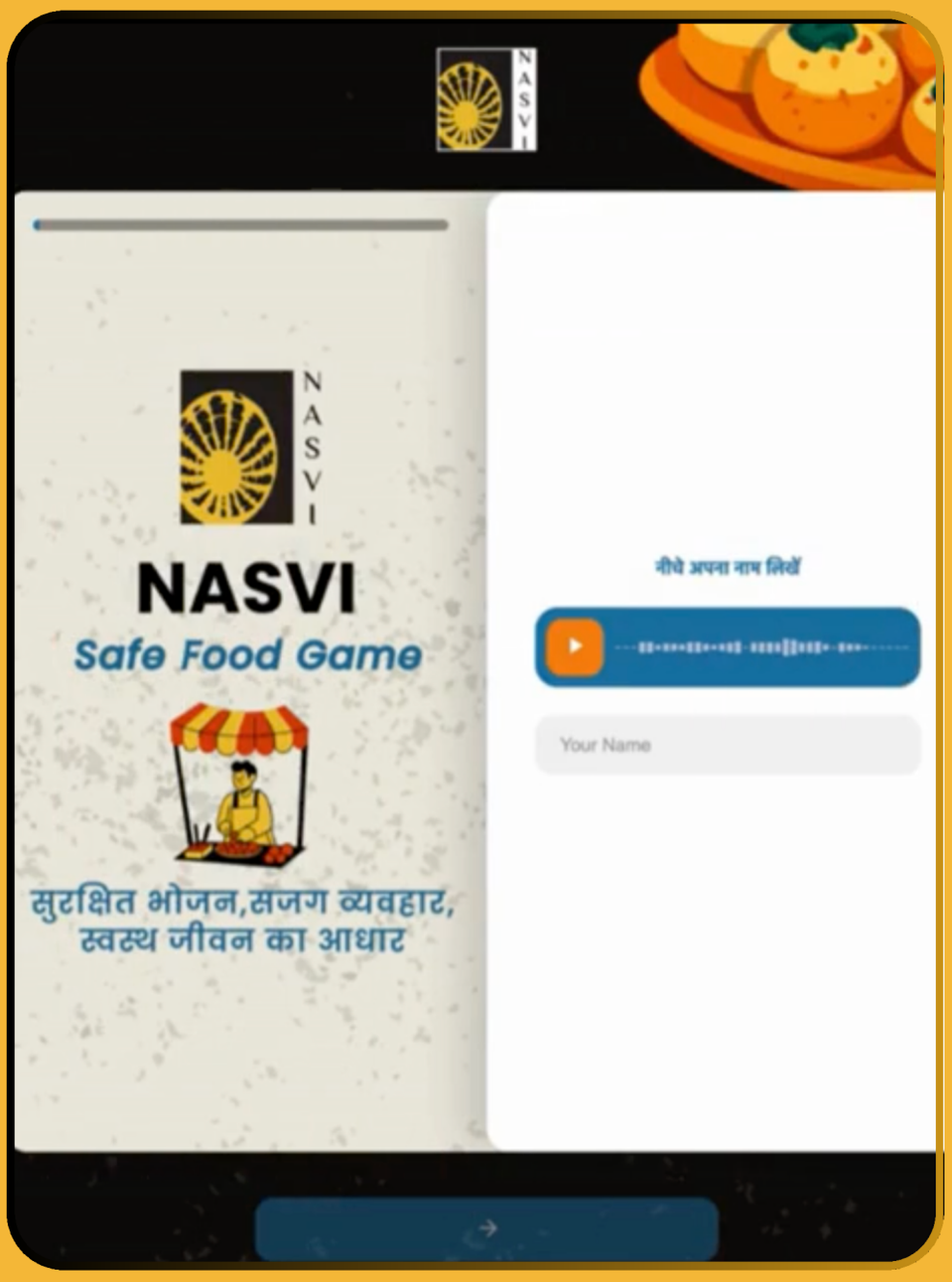

पेश है *Safe Food Game*—जो भोजन सुरक्षा सीखने को सरल, व्यावहारिक और इंटरैक्टिव बनाता है।

विरोध से प्रतिनिधित्व तक TVC चुनाव मुंबई में विक्रेताओं की आवाज़ को मज़बूत बनाते हैं।

मुंबई में टाउन वेंडिंग कमेटी (TVC) के सदस्यों का चुनाव शहरी शासन में सड़क विक्रेताओं के प्रतिनिधित्व को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

यह घटनाक्रम लगातार चले लामबंदी के बाद सामने आया है, जिसमें 3 अगस्त 2024 को हुआ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन भी शामिल है; इस प्रदर्शन में लगभग 2,500 विक्रेताओं ने 'स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट, 2014' को लागू करने और TVC को कार्यशील बनाने की मांग की थी।

इसके बाद, ग्रेटर मुंबई नगर निगम (MCGM) ने चुनाव करवाए, जिनके परिणाम 29 मार्च 2026 को घोषित किए गए; इसके परिणामस्वरूप एक शीर्ष निकाय और सात क्षेत्रीय TVC का गठन हुआ।

यह उपलब्धि ज़मीनी स्तर के मज़बूत नेतृत्व को दर्शाती है—विशेष रूप से आज़ाद हॉकर्स यूनियन के दया शंकर सिंह और जय शंकर सिंह के नेतृत्व को—और यह सहभागी शासन तथा अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

देशभर से खबरें

वाराणसी

योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। उन्होंने कहा कि बरेका मैदान में आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन में बड़ी संख्या में

अतिक्रमण के खिलाफ अभियान

प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य वीआईपीओं के आगमन की संभावना को देखते हुए नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते ने मंडुआडीह और गोदौलिया क्षेत्र में जबरदस्त अभियान चलाया। मंडुआडीह स्टेशन से डीएलडब्ल्यू चौराहे पर दोनों पटरियों पर दूकानदारी कर रहे लोगों को खदेड़ा गया और कुछ लोगों को चेतावनी भी दी गयी इनमें वह दूकानदार है जो कि सड़क के पटरियों पर अपना विज्ञापन सामग्री रखे हुए थे। हालांकि हल्लागाड़ी आने की भनक मिलते ही ठेला-खुमचा वाले पतली गली पकड़कर हट-बढ़ गये और शेष लोगों ने भविष्य में दूकान न लगाने के लिए अधिकारियों को आश्वासन दिया। इसी प्रकार गोदौलिया से लेकर दशाश्वमेध क्षेत्र में पटरी पर दूकानदारी कर रहे लोगों को खदेड़ा गया और कुछ का माल भी जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि वीआईपी आगमन को देखते हुए बिना वेंडिंग जोन के पटरी पर व्यापार कर रहे लोग दूकानदारी कर रहे थे। कुछ दूकानदारों का माल जब्त करने की नगर निगम प्रशासन ने कोशिश

मुख्यमंत्रीके आगमन पर रहेगा रूटडायवर्जन

मुख्यमंत्री का २१ अप्रैल को वाराणसी आगमन के मद्देनजर आमजनमानस के सुगम यातायात व्यवस्था के लिए निम्न ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की जा रही हैं इसी क्रम में वीवीआईपी रिजर्व पुलिस लाइन्स, हेलीपैड से सर्किट हाउस, भैरव मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर एवं बीएलडब्लू गेस्ट हाउस तक जाने के दौरान डायवर्जन-टेम्पो ट्रेवलर, आर्मेनिया, क्रूजर आदि वाहन समय चार बजे से लहुराबीर, मैदागिन की तरफ नही जाने दिया जायेगा इन वाहनों को लकड़मण्डी की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा। विशेश्वरगंज तिराहा से टेम्पो ट्रेवलर, आर्मेनिया, क्रूजर आदि वाहन समय चार बजे से मैदागिन, कालभैरव की तरफ नही जाने दिया जायेगा इन वाहनों को गोलगड्डा की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा। चांदपुर चौराहा से समय चार बजे से समस्त रोडवेज , सवारी , टूरिस्ट बसों को लहरतारा चौराहा मंडुवाडीह चौराहा की तरफ नही जाने दिया जाएगा इन्हें मोहनसराय की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा।अखरी अण्डरपास चौराहा से समय चार बजे से समस्त रोडवेज , सवारी टूरिस्ट बसों को भिखारीपुर तिराहा की तरफ नहीं जाने दिया जायेगा, इन्हे मोहनसराय ,डाफी की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा वी0वी0आई0पी0 के आगमन प्रस्थान के समय मुवैला तिराहा से किसी भी प्रकार के वाहन को मंडुवाडीह चौराहा की तरफ नही जाने दिया जाएगा इन वाहनों को मोहनसराय ,चांदपुर चौराहा की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा। वी0वी0आई0पी0 के आगमन प्रस्थान के समय मण्डुवाडीह तिराहा से किसी भी प्रकार के वाहन को मंडुवाडीह चौराहा की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा इन वाहनों

VIP दौरों से पहले वाराणसी में बेदखली की घटनाओं ने सुनियोजित और समावेशी वेंडिंग ज़ोन की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है, जो सड़क विक्रेताओं की आजीविका और गरिमा की रक्षा कर सकें।

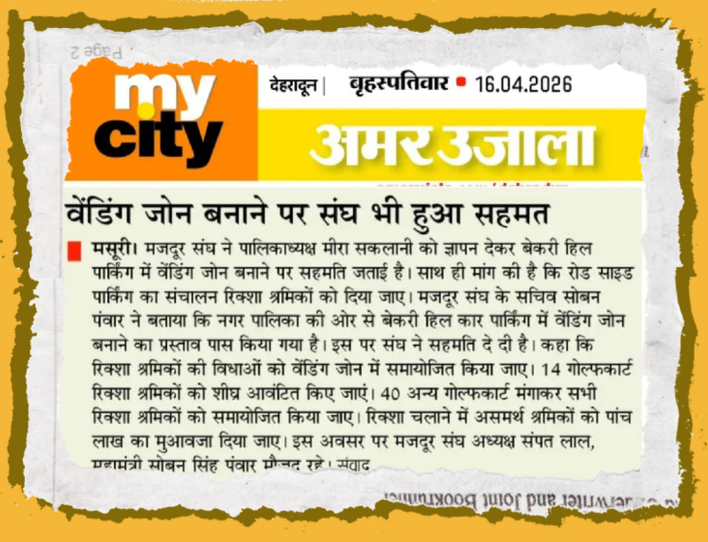

मसूरी

my city | देहरादून | बृहस्पतिवार • 16.04.2026 | अमर उजाला

वेंडिंग जोन बनाने पर संघ भी हुआ सहमत

मसूरी। मजदूर संघ ने पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी को ज्ञापन देकर बेकरी हिल पार्किंग में वेंडिंग जोन बनाने पर सहमति जताई है। साथ ही मांग की है कि रोड साइड पार्किंग का संचालन रिक्शा श्रमिकों को दिया जाए। मजदूर संघ के सचिव सोबन पंवार ने बताया कि नगर पालिका की ओर से बेकरी हिल कार पार्किंग में वेंडिंग जोन बनाने का प्रस्ताव पास किया गया है। इस पर संघ ने सहमति दे दी है। कहा कि रिक्शा श्रमिकों की विधाओं को वेंडिंग जोन में समायोजित किया जाए। 14 गोल्फकार्ट रिक्शा श्रमिकों को शीघ्र आवंटित किए जाएं। 40 अन्य गोल्फकार्ट मंगाकर सभी रिक्शा श्रमिकों को समायोजित किया जाए। रिक्शा चलाने में असमर्थ श्रमिकों को पांच लाख का मुआवजा दिया जाए। इस अवसर पर मजदूर संघ अध्यक्ष संपत लाल, महामंत्री सोबन सिंह पंवार मौजूद रहे। संवाद

मसूरी में एक सकारात्मक कदम के तौर पर, वेंडिंग के लिए निर्धारित जगहों को मंज़ूरी दे दी गई है; इससे विक्रेताओं के लिए समावेश, गरिमा और सुरक्षित कार्य-स्थितियों को बढ़ावा मिलेगा।

अमृतसर

न्यू अमृतसर की रेहड़ी मार्केट में जागरूकता सेमिनार में एसोसिएशन द्वारा नियुक्त किए चेयरमैन बाबा हरदीप सिंह, प्रधान आनंद सिंह, उप प्रधान जगजीत कौर व अन्य • सौ. एसोसिएशन

सेमिनार में 40 रेहड़ी चालकों का लोन रजिस्ट्रेशन कराया

जागरण संवाददाता, अमृतसर : न्यू अमृतसर की रेहड़ी मार्केट में जागरूकता सेमिनार करवाया। इसमें नेशनल एसोसिएशन आफ स्ट्रीट वेंडर्स आफ इंडिया (एनएएसवीआइ) के पंजाब के कार्यकारी सदस्य टाइगर सिंह द्वारा रेहड़ी चालकों को उनके अधिकारों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर अमृतसर नगर निगम से सिटी मैनेजर जसप्रीत सिंह अपनी टीम सहित विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा रेहड़ी-पटरी वालों के लिए दिए जाने वाले 15,000 के लोन के लिए 40

रजिस्ट्रेशन किया गया। सेमिनार के दौरान अमृतसर चौपाटी एसोसिएश का गठन भी किया गया। चेयरमैन बाबा हरदीप सिंह, प्रधान आनंद सिंह, उप प्रधान जगजीत कौर, कार्यकारी सदस्य हैरी सिंह, गुरप्रीत सिंह, खजांची जगदीश, सलाहकार हरप्रीत कौर, सदस्य सोनिया, मीडिया इंचार्ज महक खंडेलवाल व लोगों को एसोसिएशन के पद पर नियुक्त किया गया।

सेमिनार में रेहड़ी चालकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, उनके अधिकारों और लाभों के बारे में जागरूक किया गया, ताकि वे अपने व्यवसाय को और मजबूत बना सकें।

अमृतसर में एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें NASVI (पंजाब) के कार्यकारी सदस्य टाइगर सिंह ने ठेला विक्रेताओं को उनके अधिकारों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

मंगलौर: प्रशासनिक देरी के चलते विक्रेता संकट में

मंगलौर में सड़क विक्रेताओं को **CoV के नवीनीकरण में देरी, 'टाउन वेंडिंग कमेटी' का गठन न होने** और **अधिसूचित वेंडिंग ज़ोन की अनुपलब्धता** के कारण अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। NASVI ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए ज़िला अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई करने और 'सड़क विक्रेता अधिनियम' के तहत प्राप्त वैधानिक सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

20,000 विक्रेताओं को मिलेगी कानूनी मान्यता: MCD ने दिल्ली में COV का वितरण शुरू किया

दिल्ली नगर निगम (**MCD**) **ने 'सर्टिफिकेट ऑफ़ वेंडिंग' (CoVs)** बांटना शुरू कर दिया है। इस चरण में लगभग **20,000 वेंडरों** को शामिल किया गया है। यह कदम 'स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट, 2014' के तहत औपचारिक मान्यता की दिशा में एक अहम कदम है। इसका मकसद पूरे शहर में स्ट्रीट वेंडरों को कानूनी सुरक्षा, व्यवस्थित वेंडिंग और बेहतर आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

हैदराबाद: 50 से ज़्यादा दिनों के बैन से कोटी के वेंडर्स मुश्किल में

हैदराबाद के कोटी इलाके में, **सड़क किनारे सामान बेचने वालों को 50 दिनों से भी ज़्यादा समय से अपना काम करने से रोक दिया गया है**; कानूनी सुरक्षा-उपायों के बावजूद, ट्रैफिक पुलिस इन पाबंदियों को सख्ती से लागू कर रही है। बार-बार गुहार लगाने और शिकायतें करने के बाद भी कोई ठोस जवाब न मिलने पर, अब यह मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुँच गया है, जिससे लोगों के आजीविका के अधिकारों से वंचित होने को लेकर गंभीर चिंताएँ खड़ी हो गई हैं।

वेंडर श्रेणियों पर NASVI की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई की।

29 अप्रैल 2026 को, दिल्ली हाई कोर्ट ने 'नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ़ इंडिया' (NASVI) द्वारा दायर रिट याचिका (W.P.(C) 5806/2026) पर पहली सुनवाई की। यह याचिका 'स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट, 2014' के तहत अनिवार्य किए गए 'सर्टिफिकेट ऑफ़ वेंडिंग' (CoV) में वेंडरों की विभिन्न श्रेणियों—जैसे स्थिर (stationary), मोबाइल (चलने-फिरने वाले) और अन्य—को शामिल करने से संबंधित है।

'NCT दिल्ली सरकार और अन्य' के खिलाफ दायर इस याचिका में यह बताया गया है कि श्रेणियों का सही वर्गीकरण न होने के कारण किस तरह वेंडरों का गलत वर्गीकरण हुआ है, उनकी आवाजाही पर रोक लगी है और उन्हें उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले के ज़रिए कोर्ट से यह निर्देश देने की मांग की गई है कि इस एक्ट का सही ढंग से पालन सुनिश्चित किया जाए, नियमों में स्पष्टता लाई जाए और वेंडरों की आजीविका की रक्षा की जाए।

UPDATE

गोपालगंज

फुटपाथी दुकानदारों का फूटा गुस्सा, पोस्ट ऑफिस चौक पर बैठक कर उठाई आवाज

सिटी रिपोर्टर | गोपालगंज

शहर के पोस्ट ऑफिस चौक पर फुटपाथ दुकानदारों की एक अहम बैठक ताहिर हुसैन के नेतृत्व में आयोजित की गई। शहर स्तरीय फुटपाथ विक्रेता संघ के बैनर तले हुई इस बैठक में बड़ी संख्या में दुकानदारों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं और मांगों को मजबूती से रखा। बैठक में प्रशासनिक कार्रवाई, वेंडिंग जोन की मांग और कथित उत्पीड़न को लेकर आक्रोश देखने को मिला। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि शहर स्तरीय फुटपाथ विक्रेता संघ के अधीन कुल 12 मार्केट कमिटियां कार्यरत हैं, जो लंबे समय से अपने अधिकारों और जीविका संरक्षण के लिए संघर्ष कर रही हैं। बावजूद इसके, जब भी दुकानदार अपनी जायज मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन करते हैं, तो जिला प्रशासन द्वारा उन्हें विभिन्न मामलों में फंसा कर जेल भेज दिया जाता है। बैठक में यह भी आरोप लगाया गया कि जीविका संरक्षण और पथ विक्रय विनियमन अधिनियम 2014 को लागू कराने के लिए संघ द्वारा कई बार जिला पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी तथा नगर एवं आवास विभाग को आवेदन दिए गए। आज तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। इससे हजारों फुटपाथ दुकानदारों की आजीविका असुरक्षित बनी हुई है। दुकानदारों ने बताया कि पोस्ट ऑफिस चौक से थाना चौक तक के सभी फुटपाथ दुकानदारों को 4 दिसंबर 2025 से बिना पूर्व सूचना के हटा दिया गया। इससे उनकी रोजी-रोटी पूरी तरह बंद हो गई।

रोज़गार खतरे में होने के कारण, गोपालगंज के स्ट्रीट वेंडर कानूनी सुरक्षा, तय किए गए वेंडिंग स्थान और उत्पीड़न खत्म करने की मांग कर रहे हैं।

चंडीगढ़

स्ट्रीट वेंडर्स के हक में सुप्रीम कोर्ट: चंडीगढ़ प्रशासन को नसीहत, कहा- बिना व्यवस्था हटाना अन्याय, हर किसी को व्यापार का अधिकार

चंडीगढ़ | 10 मिनट पहले

शेयर

सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ में रेहड़ी-पटरी (स्ट्रीट वेंडर्स) को लेकर कहा उन्हें अचानक या मनमाने तरीके से नहीं हटाया जा सकता।

चंडीगढ़ में, *Supreme Court of India* ने स्ट्रीट वेंडिंग से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि बिना वैकल्पिक वेंडिंग जगह दिए बेदखल करना अन्यायपूर्ण है। अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे *Street Vendors (Protection of Livelihood and Regulation of Street Vending) Act, 2014* के अनुसार पुनर्वास सुनिश्चित करें।

फरीदाबाद

Hindi News / Local / Haryana / Faridabad / Faridabad Street Vending Zones | Officials Report To Commissioner

फरीदाबाद में नए स्ट्रीट वेंडिंग जोन बनाने की तैयारी: अधिकारियों से सोमवार तक मांगी रिपोर्ट; कमिश्नर बोले- हर प्रकार की सुविधा दी जाएगी

फरीदाबाद 3 घंटे पहले

फरीदाबाद में स्ट्रीट वेंडिंग को औपचारिक बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। 69 नई वेंडिंग ज़ोन की जगहें चिन्हित की गई हैं, जो वेंडर्स की आजीविका के लिए बेहतर समर्थन का संकेत है।

पटना

गोलंबर के नीचे 2 .96 करोड़ से वेंडिंग जोन

55 हजार वर्गफीट में वेंडिंग जोन निर्माण के लिए मिट्टी भराई का चल रहा कार्य

पीसीसी सड़क और नाला बनेगा, पेवर ब्लाक बिछाए जाने के साथ ही हाई मास्ट लाइट भी लगेगी

दीघा गोलंबर के नीचे वेंडिंग जोन के लिए मिट्टी भराई का चल रहा कार्य• जागरण

शहर में 31 नए वेंडिंग जोन का किया जाएगा विकास

पटना में ₹2.96 करोड़ के वेंडिंग ज़ोन में किया गया निवेश, योजनाबद्ध वेंडिंग ढांचे और बेहतर आजीविका समर्थन की दिशा में एक अहम कदम है।

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का प्रशिक्षण, मिज़ोरम

मिज़ोरम में पहली बार, नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ़ इंडिया (NASVI) ने नेस्ले इंडिया के सहयोग से और मिज़ोरम के फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) के समर्थन से, आइजोल में 'सर्व सेफ़ फ़ूड' (Serve Safe Food) के तहत स्ट्रीट फ़ूड विक्रेताओं के लिए एक ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया। फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (FSSAI) और फ़ूड सेफ़्टी ट्रेनिंग एंड सर्टिफ़िकेशन (FoSTaC) फ़्रेमवर्क द्वारा समर्थित इस पहल का मुख्य उद्देश्य फ़ूड सेफ़्टी से जुड़ी प्रक्रियाओं को मज़बूत करना और साफ़-सुथरे तरीके से स्ट्रीट फ़ूड बेचने को बढ़ावा देना था।

लगभग 100 स्ट्रीट फ़ूड विक्रेताओं ने इस ट्रेनिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने साफ़-सफ़ाई, खाने को सुरक्षित तरीके से संभालने और रोज़ाना बेचने के काम में स्वच्छता बनाए रखने से जुड़े प्रैक्टिकल सेशन में भाग लिया, जिसके बाद उन्हें सर्टिफ़िकेट भी दिए गए। प्रतिभागियों ने खाने की सुरक्षा के बारे में अपनी समझ को बेहतर बनाने में इस प्रोग्राम की उपयोगिता पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि रोज़ाना के कामों में किए गए छोटे-छोटे बदलाव भी साफ़-सफ़ाई के मानकों को काफ़ी हद तक बेहतर बना सकते हैं।

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का प्रशिक्षण, पटना

24 अप्रैल 2026 को बिहार के **पटना** में, सड़क किनारे खाना बेचने वालों के लिए एक खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रमुख अधिकारियों और संबंधित पक्षों ने हिस्सा लिया। इस सत्र में बिहार के नोडल अधिकारी (खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम) श्री सुरेंद्र रॉय, पटना के खाद्य सुरक्षा अधिकारी (FSO) मुकेश कश्यप और नेस्ले इंडिया के संजय साइमन शामिल हुए; यह भागीदारी ज़मीनी स्तर पर खाद्य सुरक्षा के तरीकों को बेहतर बनाने के लिए मज़बूत संस्थागत सहयोग को दर्शाती है। सड़क किनारे खाना बेचने वालों ने साफ़-सफ़ाई, सुरक्षित तरीके से खाना संभालने और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने से जुड़े सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

यह पहल खाद्य सुरक्षा और विक्रेताओं की आजीविका को मज़बूत करने के लिए, क्षमता निर्माण को सीखने के नए तरीकों के साथ जोड़ने के चल रहे प्रयासों को उजागर करती है। प्रशिक्षण के हिस्से के तौर पर, विक्रेताओं ने "सेफ़ फ़ूड गेम" में भी हिस्सा लिया—यह एक इंटरैक्टिव टूल है जिसने सीखने की प्रक्रिया को ज़्यादा व्यावहारिक और दिलचस्प बना दिया।

!!

सड़क विक्रेताओं के लिए जगह सुनिश्चित करें,
वेंडिंग ज़ोन घोषित करें।

GET OUR NEWSLETTER

दिल्ली का पता

2nd floor, 6, School Lane,
New Delhi-01. opposite
Lalit Hotel

प्रतिक्रिया हेतु

office@nasvinet.org

Tel, +91 98359 24007

हमसे जुड़े रहें

@nasviindia nasviiindia

@NasvilIndia @NASVI-India

फुटपाथ की आवाज़

पढ़ने के लिए आपका शुक्रिया!

https://nasvinet.org/